भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2095

29 **जुलाई, 2022 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

स्वदेशी चिकित्सा पद्धति

2095. **श्री राजा अमरेश्वर नाईक**:
डॉ. सुकान्त मजूमदार:
श्री राजवीर सिंह (राजू भैय्या) :
श्री भोला सिंह:
श्री विनोद कुमार सोनकर:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या आयुष मंत्रालय ने हाल ही में आईआईटी चेन्नई के सहयोग से चिकित्सा की स्वदेशी पद्धति पर एक छः दिवसीय कार्यक्रम 'आयुरटेक 2022' का आयोजन किया है;
(ख) यदि हां, तो उक्त कार्यक्रम के क्या परिणाम रहे;
(ग) क्या मंत्रालय देश में यूएन एसडीजी और राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति को आयुष क्षेत्र में लागू करने की दिशा में काम कर रहा है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) भारत में स्वदेशी चिकित्सा पद्धति के मानकीकरण के लिए तकनीकी हस्तक्षेप के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): जी हां, आयुष मंत्रालय ने 20 से 25 जून, 2022 तक "टेक्नोलॉजिकल इन्टरवेंशन्स टू स्टैंडर्डाइज्ड द इंडीजीनियस सिस्टम ऑफ मेडिसीन इन इंडिया" पर जैवप्रौद्योगिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास के सहयोग से आयोजित सीएमई कार्यक्रम-आयुर्टेक, 2022 प्रायोजित किया था।

कार्यक्रम का विषय था **"टेक्नोलॉजिकल इन्टरवेंशन्स टू स्टैंडर्डाइज्ड द इंडीजीनियस सिस्टम ऑफ मेडिसीन इन इंडिया"** जिसका परिणाम ज्ञानवर्धक रहा और प्रौद्योगिकीय उपायों के बारे में जागरूकता पैदा हुई।

विभिन्न आयुष विषयों से 30 प्रशिक्षुकों ने भाग लिया, जहां अनुप्रयोग पादप जैव-प्रौद्योगिकी, पादपरसायनों के गुणात्मक और मात्रात्मक वर्णन, औषधीय पादप अर्कों के जैव क्रियात्मक विश्लेषण और जैव असूचना अनुप्रयोग में प्रशिक्षण पर विचार विमर्श किया गया।

(ग) और (घ): जी हां, सतत विकास लक्ष्य (एसडीजीएस) 3 और राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (एनएचपी) 2017 राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) और आयुर्स्वास्थ्य योजना के माध्यम से क्रियान्वित की जाती है।

राष्ट्रीय आयुष मिशन अन्य बातों के साथ-साथ आयुष स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों, 50 बिस्तर तक के एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना, सरकारी आयुष अस्पतालों और औषधालयों, सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थानिक आयुष अस्पतालों को आवश्यक औषधों की आपूर्ति और आयुष जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों का संचालन करने का प्रावधान करता है। आयुष मंत्रालय की आयुर्स्वास्थ्य योजना जनस्वास्थ्य में आयुष उपचार को सहायता देती है।

(ड.): आयुष मंत्रालय का अधीनस्थ कार्यालय, भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी भेषजसंहिता आयोग आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी औषधों के लिए भेषजसंहिता मानक विकसित करने के लिए अधिदेशित है। औषध विनिर्माताओं के लिए भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी भेषजसंहिता आयोग द्वारा प्रकाशित संबंधित भेषजसंहिताओं में प्रकाशित औषध मानकों का अनुपालन करना अनिवार्य है।

पारंपरिक चिकित्सा में वैज्ञानिक और साक्ष्य आधारित अनुसंधान को सुविधाजनक बनाने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने जामनगर में डब्ल्यूएचओ पारंपरिक चिकित्सा वैश्विक केंद्र (जीसीटीएम) स्थापित किया है।

प्रौद्योगिकी उपायों के संबंध में आयुष मंत्रालय ने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के साथ-साथ प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग किया है।

*****